महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविश्वविद्यालय में स्पेन के लेखक मिगेल दे सेरवांतेस के उपन्यास पर चर्चा

ट्रेजिडी को कॉमेडी में प्रस्तुत करता है 'दोन किखोते' -प्रो. वागीश शुक्ल

वर्धा दि. 3 मार्च 2015: स्पेन के लेखक मिगेल दे सेरवांतेस के उपन्यास 'दोन किखोते' पर आयोजित व्याख्यान में प्रख्यात गणितज्ञ, चिंतक प्रो. वागीश शुक्ल ने कहा कि यह उपन्यास ट्रेजिडी को कॉमेडी के रूप में प्रस्तुत करता है। मूल स्पेनी भाषा में प्रकाशित 'दोन किखोत' उपन्यास का अनुवाद विभा मौर्य ने किया है। उपन्यास पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के साहित्य विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया।

उपन्यास के बारे में प्रो. शुक्ल ने कहा कि यह उपन्यास तत्कालीन सामंती समाज पर शूरवीर के माध्यम से व्यंग्य करता है। इसमें गैनी स्लेव जैसी प्रथा की पीड़ा को भी चित्रित किया गया है। उन्होंने उपन्यास की लोकप्रियता को लेकर कहा कि इस शताब्दी में केवल अंग्रेजी में ही इस उनन्यास का चार बार अनुवाद हुआ है और इसे बाईबल के बाद सर्वाधिक बढ़ा जाने वाला ग्रंथ माना जाता है। इस आयोजन की संकल्पना साहित्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. बीर पाल सिंह यादव की थी। कार्यक्रम का संचालन विभाग के अध्यक्ष प्रो. के. के. सिंह ने किया। इस अवसर पर शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।